इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात भारत से 18 प्रमुख देशों में बढ़ा

नई दिल्ली। भारत से अक्तूबर में दुनिया के 18 प्रमुख देशों में इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात में वृद्धि देखी गई है। इन देशों में अमेरिका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश हैं। हालांकि, यूरोपीय संघ, चीन और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के निर्यात में कमी आई है।

इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) के मुताबिक, अक्तूबर में कुल 809 करोड़ डॉलर के निर्यात हुए जो एक साल पहले की तुलना में 7.2 फीसदी ज्यादा है। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन अरुण कुमार गरोडिया ने कहा, यूरोपीय संघ और उत्तरी अमेरिका के देशों की ओर से भारतीय निर्यातकों पर लगाए जा रहे अवरोधों के कारण स्थिति और खराब हो गई है।

इन देशों में तेज वृद्धि

देश	निर्यात मूल्य	वृद्धि
अमेरिका	139.0	2.2%
यूएई	34.80	2.9%
जर्मनी	34.20	20%

(आंकड़े करोड़ डॉलर में)

यहां घटा निर्यात

देश	गिरावट
नीदरलैंड	52.0%
इटली	23.6%
सिंगापुर	39.0%

इसलिए आई गिरावट : *विकसित देशों में मंदी के रुझान से बाहरी मांग में कमी आने से निर्यात प्रभावित हुआ है। मंदी में मुख्य रूप से योगदान देने वाले कारकों में बढ़ती वैश्विक महंगाई और यूरोप व अमेरिका में उच्च ब्याज दरें हैं। यह देश भारत के इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए प्रमुख बाजार भी हैं।*

महत्वपूर्ण 20 खनिज ब्लॉकों की नीलामी बुधवार से

नई दिल्ली। देश भर में फैले महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी का पहला दौर बुधवार को शुरू होगा। इसमें 20 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक के लिए बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। मंत्रालय ने कहा, नीलामी ऑनलाइन माध्यम से दो चरणों में की जाएगी। खनिज ब्लॉक, नीलामी की शर्तों, समय सीमा आदि का विवरण एमएसटीसी नीलामी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। मंत्रालय ने कहा, यह एक ऐतिहासिक पहल है जो हमारी अर्थव्यवस्था के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाएगी और स्वच्छ ऊर्जा भविष्य का निर्माण करने में मदद करेगी। महत्वपूर्ण खनिज देश की आर्थिक वृद्धि और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे खनिजों की मांग आमतौर पर आयात से पूरी की जाती है। एजेंसी